# स्नातक प्रथम वर्ष – कला
# प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
# हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न–पत्र
# हिन्दी काव्य–प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य– I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक (काव्य सौन्दर्य विषयक, शब्द सीमा : 20 शब्द) | **10×1= 10** अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | **3×5 = 15** अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | **3×15 = 45** अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |

आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
अधिकतम अंक – 100 अंक
न्यूनतम अंक – 40 अंक

नोट : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 20 शब्द,
लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और
निबंधात्मक प्रश्न आलोचनात्मक शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होगें)

**खण्ड–क**

1. **कबीर दास :** कबीर ग्रन्थावली : सम्पादक श्यामसुन्दर दास : गुरूदेव कौ अंग (प्रथम 10 साखियां), सुमिरण कौ अंग (प्रथम 10 साखियां), विरह को अंग (प्रथम 10 साखियां) एवं कबीर ग्रन्थावली के प्रथम पांच पद।

2. **सूरदास :** सम्पादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, (कुल 20 : विनय तथा भक्ति– 2, 10, 21, 23, 25, गोकुल लीला–19, वृन्दावन लीला– 13, 42, राधाकृष्ण 2, 63, 106, मथुरा गमन 58, 68, 93 उद्धव संदेश – 2, 55, 95, 125, 187 और द्वारकाचरित – 50 वां पद)

3. **तुलसीदासः** 'तुलसी ग्रन्थावली' (मानसेत्तर एकादश ग्रंथ) नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, विनय पत्रिका (105, 162, 172, 174, 198), कवितावली (अयोध्याकाण्ड– 11, 12, 13, 18, 19, 20 और 22 वां पद।)

4. **मीरा :** मीरां मुक्तावलीः सम्पादक नरोत्तम स्वामी प्रारम्भ के 25 पद।

**खण्ड – ख – आधुनिक पूर्व हिन्दी साहित्य का इतिहास :**

प्रमुख इतिहास – ग्रंथ, हिन्दी साहित्य का आरंभ, काल विभाजन और नामकरण, आदिकाल की सामग्री : प्रकृति और प्रामाणिकता की समस्या, आदिकाल : परिवेश और प्रवृत्तियाँ, भक्ति आन्दोलन : उदय के कारण ,अखिल भारतीय और अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य, महत्व, भक्ति सम्बन्धी प्रमुख दार्शनिक सम्प्रदाय, निर्गुण – सगुण भक्तिः स्वरूप, साम्य एवं अन्तर, हिन्दी भक्ति – कविता की विभिन्न धाराएँ।

**खण्ड–ग निम्नलिखित रचनाकारों/रचनाओं का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन–**

चन्दबरदाई और पृथ्वीराज रासो, नरपति नाल्ह और बीसलदेव रासो, अमीर खुसरो, गोरखनाथ, विद्यापति, दादूदयाल, रैदास, नानक, रज्जब और सर्वंगी, ढोला – मारू रा दूहा, मुल्ला दाउद और चंदायन।

# प्रथम सेमेस्टर
# द्वितीय प्रश्न–पत्र
# हिन्दी कहानी

**खण्ड–क कहानियाँ**

1. प्रेमचन्द : पूस की रात, 2. जयशंकर प्रसादः मधुआ, 3. जैनेन्द्र कुमार : खेल, 4. यशपाल : करवा का व्रत, 5. अज्ञेयः खितीन बाबू, 6. मोहन राकेश : मलबे का मालिक।

**खण्ड–ख**

7. अमरकान्तः दोपहर का भोजन, 8. फणीश्वरनाथ रेणुः लाल पान की बेगम, 9. निर्मल वर्माः बीच बहस में 10. नासिरा शर्मा : सरहद के इस पार, 11. स्वयं प्रकाशः नीलकान्त का सफर, 12. चित्रा मुद्‌गल : जिनावर।

**खण्ड–ग हिन्दी कहानी :** आरम्भिक कहानियाँः गुलेरी, प्रेमचन्द के अनुवर्ती : सुदर्शन, विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक, अमृतलाल नागर, शिव प्रसाद सिंह, कृष्णा सोबती, धर्मवीर भारती, नयी कहानीः मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर, मन्नू भंडारी, उषा प्रियम्वदा, राजी सेठ। साठोत्तर आन्दोलन : अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी, समकालीन कहानी– परिदृश्य।

# स्नातक प्रथम वर्ष – कला
## द्वितीय सेमेस्टर
# हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न–पत्र
# हिन्दी काव्य–प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य– II

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक (काव्य सौन्दर्य विषयक, शब्द सीमा : 20 शब्द) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | 3×5 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |
| | आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक | |
| | अधिकतम अंक – 100 अंक | |
| | न्यूनतम अंक – 40 अंक | |
| नोट : | अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 20 शब्द,<br>लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और<br>निबंधात्मक प्रश्न आलोचनात्मक शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होगें) | |

**खण्ड – क**

1. **बिहारी :** बिहारी सार्धशतीः सम्पादक डॉ. ओमप्रकाश प्रारम्भ के 25 दोहे।
2. **घनानन्द :** घनानन्द कवित (प्रथम शतक): सम्पादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्रः कुलछन्द : 2, 3, 4, 5, 9, 12, 13, 14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 87 और 97वां पद।
3. **सूर्यमल्ल मीसणः** वीर सतसईः सं. कन्हैयालाल सहल 30 दोहेः 1, 5, 9 से 30 और 34 से 39 वें पद तक।
4. उद्धवशतक– बाबू जगन्नाथदास रत्नाकर प्रारम्भ के 50 पद।

**खण्ड–ख**

**आधुनिक पूर्व हिन्दी साहित्य का इतिहास** रीति–काव्यः दरबारी संस्कृति, रीतिकाल की अन्तर्वस्तु, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, मुख्य धाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त और परम्परा की निरन्तरता।

**खण्ड–ग**

नरोत्तमदास और सुदामाचरित, नन्ददास और भंवरगीत, देव, सेनापति, पद्माकर, ठाकुर, आलम।

## द्वितीय सेमेस्टर
## द्वितीय प्रश्न–पत्र
# हिन्दी उपन्यास

**खण्ड–क –हिन्दी उपन्यास**

प्रेमचन्द के पूर्व, प्रेमचन्द और उनका युग, यथार्थवाद का हिन्दी में आविर्भाव, हिन्दी उपन्यास में नायक की बदलती अवधारणा, जैनेन्द्र कुमार और 'त्यागपत्र,' प्रसाद की यथार्थ चेतनाः 'कंकाल', अज्ञेय और 'शेखरः एक जीवनी,' हजारी प्रसाद द्विवेदी और 'बाणभट्ट की आत्मकथाः यशपाल और 'दिव्या', अमृतलाल नागर और 'नाच्यो बहुत गुपाल।

**खण्ड–ख– महाभोज – मन्नू भण्डारी (उपन्यास) सम्पूर्ण।**

**खण्ड–ग**

आंचलिक उपन्यास और रेणु का मैला आंचल; कृष्णा सोबती–समय सरगम; श्रीलाल शुक्ल – 'राग दरबारी', मनोहर श्याम जोशी – 'कुरू–कुरू स्वाहा; भीष्म साहनी – तमस; आखिरी दशक के उपन्यासः अलका सरावगी–शेष कादम्बरी।

# स्नातक द्वितीय वर्ष – कला,

## तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम

# हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न– पत्र

## प्रयोजनपरक हिन्दी– I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न | 5×3 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |
| | आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक | |
| | अधिकतम अंक – 100 अंक | |
| | न्यूनतम अंक – 40 अंक | |

खण्ड क– 1. प्रयोजनपरक हिन्दी : अवधारणा और विविध क्षेत्र

2. प्रयोजनपरक हिन्दी के सृजनात्मक आयाम–(पत्र लेखन–सरकारी, अर्ध सरकारी, कार्यालय–आदेश)

**खण्ड ख– माध्यम लेखनः**

1. विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि–
   (1) श्रव्य माध्यम : रेडियो
   (2) श्रव्य–दृश्य माध्यम : टेलीविजन और फिल्म
   (3) तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
   (4) मिश्र माध्यम : विज्ञापन
   (5) समाचार पत्र

**खण्ड ग 1** रेडियो–लेखनः उद्घोषणा, कार्यक्रम – संयोजन (कंपेयरिंग), समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो नाटक, अवयव, रूप और प्रविधि।

2. टेलीविजन एवं फिल्म लेखन : वाचन, कार्यक्रम–संयोजन, डाक्यूमेंट्री, टेलीड्रामा, संवाद लेखन, पटकथा लेखनः प्रक्रिया और प्रविधि।

3. इन्टरनेटः सामगी सृजन, संयोजन एवं प्रेषण।

# तृतीय सेमेस्टर

## द्वितीय प्रश्न–पत्र

# हिन्दी निबंध

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | 3×5 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |
| | आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक | |
| | अधिकतम अंक – 100 अंक | |
| | न्यूनतम अंक – 40 अंक | |

**खण्ड – क–निबंध –**

(1) सरदार पूर्ण सिह : आचरण की सभ्यता, (2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : श्रद्धा और भक्ति, (3) महादेवी वर्मा : यथार्थ और आदर्श, (4) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदीः कुटज।

**खण्ड ख–**(1) अज्ञेयः सभ्यता का संकट, (2) विद्यानिवास मिश्रः मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, (3) निर्मल वर्मा : संवाद की मर्यादाएं, (4) कुबेरनाथ राम : राघवः करूणो रस; (5) हरिशंकर परसाईः वैष्णव की फिसलन।

**खण्ड – ग**

हिन्दी निबन्ध स्वरूप और शैलियाँ, प्रमुख निबंधकार– बाल कृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, बालमुकुन्द गुप्त, माधव प्रसाद मिश्र, महावीरप्रसाद द्विवेदी, गुलाब राय, जयशंकर प्रसाद, रायकृष्णदास, वासुदेवशरण अग्रवाल, जैनेन्द्र कुमार, पद्मसिंह शर्मा और शरद जोशी।

# स्नातक द्वितीय वर्ष – कला,
# चतुर्थ सेमेस्टर
# हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न– पत्र
## प्रयोजनपरक हिन्दी– II

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न | 5×3 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |
| | आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक | |
| | अधिकतम अंक – 100 अंक | |
| | न्यूनतम अंक – 40 अंक | |

खण्ड – क–1. विज्ञापन– लेखनः उद्देश्य और स्वरूप, विज्ञापन में नैतिकता और संस्कृति माध्यमगत वैशिष्ट्य।
2. साहित्यिक कृतियों का माध्यम रूपान्तरण।

खण्ड – ख **अनुवाद**

1. अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्व
2. अनुवादः प्रकार 3. अनुवाद प्रक्रिया, 4. अनुवाद और समतुल्यता,
5. अनुवाद कार्य की प्रकृति, 6. अनुवाद समीक्षा 7. अनुवाद की समस्याएँ पारिभाषिक शब्दावली, साहित्यानुवाद एवं अन्य प्रमुख क्षेत्र।

खण्ड ग–3 अनुवाद – कार्य : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद, प्रशासनिक एवं पारिभाषिक शब्दावली का हिन्दी अनुवाद। अनुवाद– कार्य के अन्तर्गत नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद से प्रकाशित गॉधीजी की आत्मकथा (अंग्रेजी अनुवाद– महादेव देसाई)के प्रारम्भिक पॉच परिच्छेदों से चयनित एक अंश का हिन्दी अनुवाद।

# चतुर्थ सेमेस्टर
## द्वितीय प्रश्न–पत्र
# हिन्दी नाटक

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | 3×5 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |
| | आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक | |
| | अधिकतम अंक – 100 अंक | |
| | न्यूनतम अंक – 40 अंक | |

खण्ड–क नाटक – आषाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

खण्ड–ख हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास

हिन्दी में नाटक का आरम्भ और भारतेन्दु के नाटक, पारसी नाटक और रंगमंच, नाटक और रंगमंच का संबंध, नाटकार प्रसाद, समस्या नाटक और लक्ष्मी नारायण मिश्र, एब्सर्ड नाटक और भुवनेश्वर, एकांकी नाटककार रामकुमार वर्मा।

खण्ड –ग–विष्णु प्रभाकर और रेडियो नाटक, नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर, गीतिनाट्य और धर्मवीर भारती, नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल, नाटककार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, सुरेन्द्र वर्मा, शंकर शेष और मणि मधुकर।

# स्नातक तृतीय वर्ष – कला
# पंचम सेमेस्टर
# हिन्दी साहित्य–प्रथम प्रश्न–पत्र
# हिन्दी काव्य – आधुनिक हिन्दी काव्य–I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न अतिलघूत्तरात्मक (काव्य सौन्दर्य विषयक, शब्द सीमा : 20 शब्द) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | 3×5 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |

आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
अधिकतम अंक – 100 अंक
न्यूनतम अंक – 40 अंक

नोट : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 20 शब्द,
लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और
निबंधात्मक प्रश्न आलोचनात्मक शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होगें)

**खण्ड–क– निर्धारित पाठ्यांश**

1. जयशंकर प्रसाद : 1. उठ उठ री लघु लोल लहर, 2. ले चल वहाँ भुलावा देकर, 3. बीती विभावरी जाग री, 4. मेरी आंखों की पुतली में, 5. पेशोला की प्रतिध्वनि।
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निरालाः 1. संध्या सुन्दरी, 2. सखि, बसन्त आया, 3. बादल–राग–6, 4. स्नेह–निर्झर बह गया है, 5. प्रिया के प्रति, 6. राजे ने अपनी रखवाली की।
3. महादेवी वर्मा : 1. जो तुम आ जाते एक बार, 2. कौन तुम मेरे हृदय में? 3. मधुर–मधुर मेरे दीपक जल, 4. सब आंखों के आंसू उजले, 5. निशा को धो देता राकेश, 6. मैं नीर भरी दुख की बदली, 7. रूपसि तेरा घन केश–पाश।
4. रामधारी सिंह दिनकर : 1. 'कुरूक्षेत्र' का सातवां सर्ग।

**खण्ड–ख–आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास**

आधुनिकता की पहचान और हिन्दी कविता, हिन्दी कविता का आरम्भिक द्वन्द्व, हिन्दी नवजागरण, कविता में प्रकृति, अध्यात्म, राष्ट्रीयता एवं सुधार, छायावादः प्रेरणा एवं पृष्ठभूमि, स्वछन्दतावाद–छायावाद–रहस्यवादः वैशिष्ट्य और अन्तः सम्बन्ध, छायावाद के राष्ट्रीय – सांस्कृतिक–सामाजिक–सरोकार और प्रगतिवादः वैचारिक आधार एवं प्रतिबद्धता।

**खण्ड–ग निम्नलिखित रचनाकारों, उनकी रचनात्मक विशेषताओं तथा कृति विशेष का सामान्य परिचयात्मक अध्ययन–**

श्रीधर पाठक, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध; मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, माखनलाल चतुर्वेदी, सुमित्रानन्दन पंत, बालकृष्ण शर्मा नवीन, हरिवंशराय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, नागार्जुन और त्रिलोचन।

## पंचम सेमेस्टर
## द्वितीय प्रश्न–पत्र
# हिन्दी भाषा व्याकरण और साहित्य सिद्धान्त–I

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | 10×1= 10 अंक |
| 2. | 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न टिप्पणी परक(आंतरिक विकल्प देय) | 5x3 = 15 अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | 3×15 = 45 अंक |

सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
अधिकतम अंक – 100 अंक
न्यूनतम अंक – 40 अंक

**खण्ड – क हिन्दी भाषा :**

**भारतीय भाषाएं और हिन्दी, हिन्दी भाषा का उद्भव और विकासः** अवहट्ट और पुरानी हिन्दी, काव्य–भाषा के रूप में अवधी और ब्रज का विकास, खडी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में रूपान्तरण तथा राष्ट्र भाषा के रूप में विकास, राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास और समस्याएँ, हिन्दी भाषा का विस्तारः शिक्षा, ज्ञान और तकनीक की भाषा, हिन्दी भाषा के प्रयोग के प्रमुख रूप : बोली, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा–राष्ट्र भाषा, संचार (तकनीक) भाषा।

**खण्ड ख–हिन्दी और उसकी बोलियाँः** अवधी, ब्रज, खड़ी बोली तथा राजस्थानी समूह (मारवाडी, मेवाती, ढूँढाड़ी, हाड़ौती, मेवाड़ी, बागड़ी और मालवी) मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक अभिलक्षण।

**खण्ड ग–देवनागरी लिपिः** उद्भव, विकास, विशेषताएँ, हिन्दी ध्वनियों एवं देवनागरी लिपि का मानकीकरण, मानक लिपिमाला (वर्णमाला), भारत की प्रमुख लिपियों का सामान्य परिचय।

# स्नातक तृतीय वर्ष – कला
# षष्ठ सेमेस्टर
# हिन्दी साहित्य–प्रथम प्रश्न–पत्र
# हिन्दी काव्य – आधुनिक हिन्दी काव्य–II

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक ) | **10×1= 10** अंक |
| 2. | 3 व्याख्याएं | **3x5 = 15** अंक |
| 3. | 3 प्रश्न निबंधात्मक (प्रत्येक खण्ड से एक) | **3×15 = 45** अंक |
| | सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – | 70 अंक |

आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
अधिकतम अंक – 100 अंक
न्यूनतम अंक – 40 अंक

नोट : अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न काव्य सौन्दर्य विषयकः शब्द सीमा : 20 शब्द,
लघूत्तरात्मक, व्याख्यामूलक एवं टिप्पणीपरक प्रश्न शब्द सीमाः 150 शब्द और
निबंघात्मक प्रश्न आलोचनात्मक शब्द सीमाः 400 शब्द (आंतरिक विकल्प देय होगें)

**खण्ड – क – निर्धारित पाठ्यांश**

1. अज्ञेयः 1. नदी के द्वीप, 2. हिरोशिमा, 3. सागर–मुद्रा– 2, 4. बना दे चितेरे, 5. कितनी नावों में कितनी बार
2. गजानन माधव मुक्तिबोध : 1. ब्रह्मराक्षस, 2. चांद का मुंह टेढ़ा है (कविता)
3. धूमिल : 1. अकाल–दर्शन, 2. प्रौढ़ शिक्षा
4. ऋतुराज : 1. पांच सितारे, 2. एक कटे पेड की कहानी, 3. गरीब लोग, 4. रूको सूर्यास्त।

**खण्ड–ख – आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास–**
प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तर कविता और समकालीन कविता।

**खण्ड–ग निम्नलिखित रचनाकारों, उनकी रचनात्मक विशेषताओं तथा कृति–विशेष का सामान्य परिचयात्मक अध्ययनः**
रघुवीर सहाय, शमशेर बहादुर सिंह, गिरिजा कुमार माथुर, धर्मवीर भारती, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, भवानी प्रसाद मिश्र, विजयदेवनारायण साही, केदारनाथ सिंह, कुंवरनारायण, नरेश मेहता, दुष्यन्त कुमार और अरूण कमल।

# षष्ठ सेमेस्टर
# द्वितीय प्रश्न–पत्र
# हिन्दी भाषा व्याकरण और साहित्य सिद्धान्त–II

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

| | | |
|---|---|---|
| 1. | 10 प्रश्न (अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) | **10×1= 10** अंक |
| 2. | 12 लघूत्तरात्मक प्रश्न | 12×**5 = 60** अंक |

**सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि – 3 घण्टे – 70 अंक**
**आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक**
**अधिकतम अंक – 100 अंक**
**न्यूनतम अंक – 40 अंक**

**खण्ड–क– काव्य उपादानः अलंकार सम्प्रदाय,** अलंकार स्वरूप और भेद, अलंकारों की काव्योपगिता प्रमुख अलंकारः यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, संदेह, भ्रांतिमान, दृष्टान्त, व्यतिरेक, विरोधाभास, असंगति, विशेषोक्ति, विभावना, अन्योक्ति और मानवीकरण।

**छन्दः** संघटक तत्व और प्रकार, हिन्दी में बहुप्रयुक्त कुछ छन्दों का परिचय (लक्षण–उदाहरण): कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा, अरिल्ल, चौपाई, बरवै, रोला, उल्लाला, छप्पय और कुण्डलिया।

**खण्ड–ख– काव्य उपादान–शब्द–शक्तिः** अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।
**रसः** स्वरूप और अवयव, विभिन्न रसों का लक्षण–उदाहरण सहित परिचय–विश्लेषण, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण और सहृदय। बिम्ब, प्रतीक, मिथक और फैंटेसी।

**खण्ड–ग– व्याकरण :** अर्थ, स्वरूप और इतिहास
**शब्द संरचनाः** 1 सन्धि,समास, उपसर्ग और प्रत्यय
2. शब्द–प्रकार, स्रोत और संरचना के आधार पर
3. शब्द–शुद्धि।

**वाक्य संरचना–** 1. पद–परिचय, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और क्रिया–विशेषण के प्रकार एवं प्रकार्य।
**वाक्य–प्रकार :** सरल, संयुक्त एवं मिश्र
**वाक्य–विन्यास :** उद्देश्य एवं विधेय
व्याकरणिक कोटियाँ : वचन, लिंग, पुरूष, कारक और वाच्य आदि।
वाक्य–शुद्धि।